

आः ६८

आः ६८

आः एक सप्तम्येर्ध्वजपेयीनी योगः

स्त्री गणेशाय नमः ॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अक्षय  
कृष्णाय नमः ॥ ५ राधाया नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
दुदयं कंठशि रसि सिरसा या गुरु ॥ ८ वसं ॥ अथ वेत्त  
वित्रोत्ता सर्वाष्ट रथांगतोपिवा ॥ य ॥ १ ॥ एतु रीका ॥ २ ॥  
ह्याम् ॥ ३ ॥ सुविः ॥ ४ ॥ ॐ पुं दु रीका ह्या यनमः ॥ ५ ॥ पक्ष वेत्त  
ते मता देवता सन्नि संस्थिता ॥ ६ ॥ येन ता विदुः ॥ ७ ॥ सीत  
शं तशि राजाया ॥ ८ ॥ गुणा ये तगा वि ॥ ९ ॥ त जंया ॥ १० ॥ महि



य वै बट ॥ ओं धि र्धो यो नः प्र चो द या त ॥ इ त्य श्वा य फ  
 इ इ वि न्या सः ॥ ओ न मः शि वा य ॥ ओ न मो न ग व ते रु  
 द्रा य ॥ इ ति श री रं न्य से त् ॥ ओं का रं मूर्ति वि न्य से त् ॥ न  
 का रं ना भि के त न्या ॥ म का रं तु न त्वा हे च ॥ व का रं तु  
 म्भु रे न्य से त् ॥ ग का रं कं ठं दे शं तु व का रं दू द ये न्य से  
 त् ॥ त का रं दू द्धि शो दू शे ॥ प का रं पा द यो न्य से त् ॥ त  
 त्वा हे रु द्रे कं ठे शि वं ना भि मं दु त्ने ॥ इ शा नं जा नु नि शं

द्युरं ॥ मध्यमायां दूषी केशं नामिका यां त्रिविक्रमं ॥ कनिष्ठि  
 कायां न्यसेद्विष्णुं करमध्ये तन्माद्यवः ॥ करपृष्ठे च रक्षां  
 सिकरमध्ये सुरास्मृता ॥ एवं पञ्चकरेत्यसंफलं कौटिगुरां  
 न्वेत् ॥ अंकारनामौ उकार दृष्टये ॥ मकारमूर्ध्नि ॐ नृपा  
 दृष्टोः ॥ मृवः जान्वाः खगुह्ये ॥ मङ्गः नामौ ॥ जनः दृष्टये त  
 पः कटे ॥ सत्पल्लवटे ॥ ॐ नृदृष्टया यनमः ॥ ॐ मृवः शि  
 रसे ॥ ॐ स्वः शिखाये ववट ॥ ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नृगा देवम्यदीन ह्रीं नमो भगवते

ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥  
ॐ नमः ॥ इति विभूतिधारा सांख्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥





विदिनि योः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



CC-0. Lal Bahadur Sanskrit University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥  
वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥ वसुदेवाय नमः ॥





विंदुना देसी त्रिप्रकारं ज्योतिः ॥  
रं जं ॥ प्रागाथा जं जं वै विनियोगः ॥  
मानमः ॥ जं जं पु र वा य न जं नो  
राय मद्य जं जं नो ॥ जं नो म दे वा य  
नमः ॥ जं नो यो जं नो य कनिष्ठि का जं  
नो यो य क न ल क र पु र्वा मान  
या य नमः ॥ जं नो यो य क न ल क र पु र्वा मान



संस्कृत

श्री गणेशाय नमः

संस्कृत

संस्कृत

संस्कृत

संस्कृत

संस्कृत

संस्कृत

द्वन्द्विनन्दन  
मंरत्न पुष्पा



CC-0. Lal Bahadur Sanskrit University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

CC-0. Lal Bahadur Sanskrit University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham



CC-0. Lal Bahadur Sanskrit University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham





॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते ॥ एवं चात्मा वि शीत ॥ अतो व्यासः  
 कुरु ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ वां हस्त श्री गुरुं रं  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥





महाध्वरकृतं पंमच्यते जावसंशयः॥ निपुंड्रवा सुशोचि  
ति सापि नपिद्ययेत्॥ अत्राविद्यो यो नोत्पन्नो ज्ञात्वा  
पदेत्॥ तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ १ ॥  
तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ २ ॥  
तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ ३ ॥  
तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ ४ ॥  
तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ ५ ॥  
तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ ६ ॥  
तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ ७ ॥  
तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ ८ ॥  
तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ ९ ॥  
तस्मात्तर्हि विप्रो वदन्त्या ॥ १० ॥

CC-0. Lal Bahadur Sanskrit University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham



